भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4583

दिनांक 30.03.2022 को उत्तर देने के लिए

देश में गरीब लोग

4583. श्रीमती नुसरत जहां:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में गरीब लोगों की संख्या कितनी है और तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) अ.जा./अ.ज.जा/ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े गरीब लोगों की संख्या कितनी है और तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में धनी और गरीब लोगों के बीच का अंतर निरंतर बढ़ता जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

(घ) सरकार द्वारा उक्त अंतर को पाटने के लिए उठाए गए अथवा उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री (कारपोरेट कार्य मंत्रालय)

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) तेंदुलकर कार्य पद्धति के आधार पर 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी का राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख) तेंदुलकर कार्य पद्धति के आधार पर 2011-12 में सामाजिक समूहों के गरीबी रेखा के नीचे रहनेवाले व्यक्तियों का राज्यवार प्रतिशत **अनुलग्नक- II** में दिया गया है।

(ग) एनएसओ द्वारा एकत्रित घरेलू उपभोग व्यय आंकड़ों का उपयोग आर्थिक असमानता को समझने के लिए एक विकल्प के रूप में किया जाता है। एनएसओ द्वारा 2004-05 (61वां दौर) और 2011-12 (68वां दौर) में आयोजित पंचवार्षिक घरेलू उपभोग व्यय डेटा सर्वेक्षणों के मिश्रित संदर्भ अवधि के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में गिनी गुणांक (आबादी के विभिन्न व्यय वर्गों के बीच असमानता को मापना) 2004-05 और 2011-12 में क्रमशः 0.27 और 0.28 पर लगभग समान रहा। शहरी क्षेत्रों में, गिनी गुणांक 2004-05 के 0.35 से मामूली रूप से बढ़कर 2011-12 में 0.37 हो गया है।

(घ) एवं (ङ) भारत सरकार समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है जैसाकि सबका साथ, सबका विकास की ओर सरकार की प्रतिबद्धता में परिलक्षित होता है और देश में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के उत्थान के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। भारत सरकार देश में गरीबी घटाने के लिए कई योजनाएं, केंद्रीय क्षेत्रक और केंद्र प्रायोजित दोनों स्कीमें कार्यान्वित कर रही है। कुछ स्कीमों का उद्देश्य संसाधन/धन के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से नागरिकों को सीधे लाभ पहूंचाना है, जबकि अन्यों का उद्देश्य समर्थकारी अवसंरचनात्मक प्रावधानों का सृजन करना है। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम (महात्मा गांधी एनआरईजीएस), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी), पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) स्कीम, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन (एसपीएमआरएम), प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), आकांक्षी जिला कार्यक्रम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री किसान मान-धन योजना, स्किल इंडिया, सांसद आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया स्कीम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण और शहरी), आदि शामिल हैं।

*****

अनुलग्नक-I

गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की राज्य-वार संख्या और प्रतिशत-2011-12

(तेंदुलकर कार्य पद्धति)

क्रम सं.	राज्य	ग्रामीण		शहरी		कुल	
		लोगों का प्रतिशत	लोगों की संख्या (लाख में)	लोगों का प्रतिशत	लोगों की संख्या (लाख में)	लोगों का प्रतिशत	लोगों की संख्या (लाख में)
1	आन्ध्र प्रदेश	10.96	61.80	5.81	16.98	9.20	78.78
2	अरूणाचल प्रदेश	38.93	4.25	20.33	0.66	34.67	4.91
3	असम	33.89	92.06	20.49	9.21	31.98	101.27
4	बिहार	34.06	320.40	31.23	37.75	33.74	358.15
5	छत्तीसगढ़	44.61	88.90	24.75	15.22	39.93	104.11
6	दिल्ली	12.92	0.50	9.84	16.46	9.91	16.96
7	गोवा	6.81	0.37	4.09	0.38	5.09	0.75
8	गुजरात	21.54	75.35	10.14	26.88	16.63	102.23
9	हरियाणा	11.64	19.42	10.28	9.41	11.16	28.83
10	हिमाचल प्रदेश	8.48	5.29	4.33	0.30	8.06	5.59
11	जम्मू और कश्मीर	11.54	10.73	7.20	2.53	10.35	13.27
12	झारखंड	40.84	104.09	24.83	20.24	36.96	124.33
13	कर्नाटक	24.53	92.80	15.25	36.96	20.91	129.76
14	केरल	9.14	15.48	4.97	8.46	7.05	23.95
15	मध्य प्रदेश	35.74	190.95	21.00	43.10	31.65	234.06
16	महाराष्ट्र	24.22	150.56	9.12	47.36	17.35	197.92
17	मणिपुर	38.80	7.45	32.59	2.78	36.89	10.22
18	मेघालय	12.53	3.04	9.26	0.57	11.87	3.61
19	मिजोरम	35.43	1.91	6.36	0.37	20.40	2.27
20	नागालैंड	19.93	2.76	16.48	1.00	18.88	3.76
21	ओडिशा	35.69	126.14	17.29	12.39	32.59	138.53
22	पंजाब	7.66	13.35	9.24	9.82	8.26	23.18
23	राजस्थान	16.05	84.19	10.69	18.73	14.71	102.92
24	सिक्किम	9.85	0.45	3.66	0.06	8.19	0.51
25	तमिलनाडु	15.83	59.23	6.54	23.40	11.28	82.63
26	त्रिपुरा	16.53	4.49	7.42	0.75	14.05	5.24
27	उत्तराखंड	11.62	8.25	10.48	3.35	11.26	11.60
28	उत्तर प्रदेश	30.40	479.35	26.06	118.84	29.43	598.19
29	पश्चिम बंगाल	22.52	141.14	14.66	43.83	19.98	184.98
30	पुदुचेरी	17.06	0.69	6.30	0.55	9.69	1.24
31	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1.57	0.04	0.00	0.00	1.00	0.04
32	चंडीगढ़	1.64	0.004	22.31	2.34	21.81	2.35
33	दादरा और नागर हवेली	62.59	1.15	15.38	0.28	39.31	1.43
34	दमण और दीव	0.00	0.00	12.62	0.26	9.86	0.26
35	लक्षद्वीप	0.00	0.00	3.44	0.02	2.77	0.02
	अखिल भारत	**25.70**	**2166.58**	**13.70**	**531.25**	**21.92**	**2697.83**

टिप्पणियां: 1. 1 मार्च 2012 तक की स्थिति के अनुसार जनसंख्या का प्रयोग गरीबी रेखा से नीचे लोगों की संख्या का अनुमान लगाने के लिए किया गया है (2011 की जनगणना की बहिर्वेशित जनसंख्या)

2. तमिलनाडु की गरीबी रेखा का प्रयोग अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए किया गया है।

3. पंजाब की शहरी गरीबी रेखा का प्रयोग चंडीगढ़ के ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए किया गया है।

4. महाराष्ट्र की गरीबी रेखा का प्रयोग दादरा एवं नागर हवेली के लिए किया गया है।

5. गोवा की गरीबी रेखा का प्रयोग दमण एवं दीव के लिए किया गया है।

6. केरल की गरीबी रेखा का प्रयोग लक्षद्वीप के लिए किया गया है।

सामाजिक समूहों के गरीबी रेखा के नीचे रहनेवाले व्यक्तियों का राज्यवार प्रतिशत, 2011-12
(तेंदुलकर कार्य पद्धति)

क्रम सं.	राज्य	ग्रामीण					शहरी				
		एसटी	एससी	ओबीसी	अन्य	कुल	एसटी	एससी	ओबीसी	अन्य	कुल
1	आंध्र प्रदेश	24.1	13.1	9.3	6.8	11.0	12.1	10.9	5.5	4.3	5.8
2	असम	33.4	28.2	34.4	34.9	33.9	15.6	30.5	11.0	21.2	20.6
3	बिहार	59.3	51.7	31.3	23.3	34.1	10.3	43.0	32.9	17.8	31.2
4	छत्तीसगढ़	52.6	48.2	38.7	7.7	44.6	35.2	39.5	24.9	10.6	24.8
5	गुजरात	36.5	22.3	18.9	6.1	21.5	30.1	12.7	15.3	5.1	10.1
6	हरियाणा	3.3	23.6	13.4	3.3	11.6	14.2	25.9	12.9	4.9	10.3
7	हिमाचल प्रदेश	9.5	16.5	2.3	7.0	8.5	4.0	9.9	9.9	1.7	4.3
8	जम्मू-कश्मीर	16.3	18.8	7.5	10.2	11.5	3.0	18.0	4.1	6.1	7.2
9	झारखंड	51.6	40.4	36.4	31.3	40.8	28.7	40.6	28.2	12.5	24.8
10	कर्नाटक	30.8	37.1	20.7	21.6	24.5	33.7	25.0	15.0	8.8	15.3
11	केरल	41.0	17.8	7.6	7.0	9.1	13.6	6.0	5.7	2.7	5.0
12	मध्य प्रदेश	55.3	41.3	24.7	19.6	35.7	32.3	33.2	21.0	13.1	21.0
13	महाराष्ट्र	61.6	23.8	18.2	16.5	24.2	23.3	15.8	8.7	6.0	9.1
14	ओडिशा	63.5	41.4	24.2	14.2	35.7	39.7	26.3	22.1	6.7	17.3
15	पंजाब	0.0	14.7	3.6	1.1	7.7	7.2	18.3	14.0	3.8	9.2
16	राजस्थान	41.4	18.6	8.5	3.8	16.1	21.7	19.2	12.0	3.6	10.7
17	तमिलनाडु	36.8	23.3	12.9	1.0	15.8	2.8	9.3	6.3	1.8	6.5
18	उत्तरप्रदेश	27.0	41.1	30.7	12.5	30.4	16.3	39.1	32.1	12.8	26.1
19	उत्तराखंड	11.9	15.6	14.4	9.0	11.6	25.7	9.3	19.1	6.4	10.5
20	पश्चिम बंगाल	50.1	22.6	19.0	20.0	22.5	44.5	15.7	15.7	13.3	14.7
	अखिल भारत	45.3	31.5	22.6	15.5	25.7	24.1	21.7	15.4	8.1	13.7

आख्यान:एससी=अनुसूचित जाति; एसटी=अनुसूचित जनजाति; ओबीसी=अन्य पिछड़ा वर्ग

नोटः 1. सामाजिक समूहों के बीच गरीबी अनुपात का अनुमान एनएसएस के वृहत प्रतिदर्श सर्वेक्षण उपभोक्ता व्यय डेटा से प्राप्त संबंधित सामाजिक समूहों के व्यक्तियों के प्रतिशत वितरण और सभी आबादी के लिए गरीबी रेखा से लगाया जाता है।

2. गरीबी अनुपात एमआरपी (मिश्रित रीकॉल अवधि) खपत वितरण पर आधारित है।

3. सामाजिक समूहों के लिए अखिल भारत गरीबी अनुपात का अनुमान संबंधित व्यक्तियों के एनएसएस वितरण और (निहित) सभी आबादी के लिए अखिल भारत गरीबी रेखा से लगाया जाता है।

4. राज्य स्तर पर अनुसूचित जनजातियों की आबादी के बीच गरीबी अनुपात को परिवार का लघु प्रतिदर्श आकार होने के कारण सावधानी से आंका जाता है जिसके आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकृत वितरण प्राप्त किया गया है। ये राज्य -ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदर्श परिवारों की संख्या हरियाणा में 9 और पंजाब में 3 हैं। इसी प्रकार, शहरी क्षेत्रों में, प्रतिदर्श परिवारों की संख्या बिहार में 18, हरियाणा में 14, हिमाचल प्रदेश में 18, केरल में 9 और पंजाब में 17 हैं।